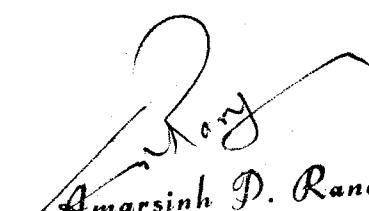


स्व. दुष्यंत कुमार त्यागी

जन्म दिन :- 27 सितम्बर, 1931



मृत्यु दिन :- 30 दिसम्बर, 1975


Amarsinh D. Rane
Principal
Lal Bahadur Shastri College
Satara

डा. सरदार मुजावर
हिन्दी विभाग,
किसनवीर महाविद्यालय,
वाई, जिल्हा - सातारा.

प्रमाण पत्र

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि श्री प्रा.अस्लम महमद शोख ने
मेरे निर्देशान में यह लघु-प्रबन्ध एम.फिल.(हिन्दी) उपाधि के
लिए तैयार किया है। पूर्व योजना के अनुसार यह कार्य सम्पन्न
हुआ है। उनकी यह मौलिक रचना है।

वार्ष।

तारीख : ३ : ई : १९९३।

निर्देशाक

(Signature)

आमार

मेरे शोध-निर्देशक डा. सरदार मुजावर जी का मैं हृदय से आभारी हूँ। दुष्यन्त के उपन्यासों को लेकर लघु-प्रबन्ध लिखने की प्रेरणा मुझे डा. मुजावर जी ने ही दे दी। उनके मनमौल सहयोग के कारण ही आज मैं अपना लघु प्रबन्ध 'दुष्यन्तकुमार' के उपन्यास -- एक अनुशासीलन 'पूरा कर पाया हूँ।

फलटण एज्युकेशन सोसायटी के सचिव श्री श्रीमत शिवाजीराजे नाईक-निंबाळ्कर जी का भी मैं हृदय से आभारी हूँ। आपने भी मेरे हस शोध-कार्य में मदद की है। उसीतरह मुधोजी महाविष्णुलाल के प्राचार्य विश्वासराव देशमुख जी, हिन्दी विमाग प्रमुख प्रा. तेजबहादूर श्रीवास्तवजी और डा. राजेन्द्र शाहा जी वरिष्ठों का भी मैं हृदय से आभारी हूँ। क्योंकि उन्होंने भी समय-समयपर मेरी सहायता की है। इस लघु-प्रबन्ध को आपके सामने प्रस्तुत करते हुए मझे बड़ी प्रसन्नता हो रही है।

स्थळ : फलटण ज़ि. स्वातारा

दिनांक : ३ : ८ : १९९३।

शोध-ठात्र



मूलिका

हिन्दी में विभिन्न साहित्यकारों की रचनाओं का मुल्यांकन होता रहा है। प्रस्तुत लघु - प्रबन्ध भी इस दिशा में किया गया एक सफल प्रयास है। स्वर्गीय दुष्प्रभुकुमार त्यागी आजादी के बाद के बहुमुखी प्रतिमा संपन्न साहित्यकार थे। दुष्प्रभुकुमार का नाम हिन्दी गजलकार के रूप में भी पहचाना जाता है, पर उपन्यासकार के रूप में उनका महत्व कम नहीं है। उन्होंने साहित्य की लगभग सभी विधाओं में लेखनी चलाई है।

प्रस्तुत लघु-प्रबन्ध के प्रथम अध्याय में मैंने दुष्प्रभुजी का जीवन परिचय और उनकी कृतियों का सामान्य परिचय प्रस्तुत किया है।

दूसरे अध्याय में मैंने उनके उपन्यासों का सामान्य परिचय दिया है। तीसरे अध्याय में उनके उपन्यासों में चित्रित विभिन्न समस्याओं की विवेचना की है।

चौथे अध्याय में शिल्प-विधान की दृष्टि से उनके उपन्यासों की चर्चा की है।

~~पाँचवे~~ अध्याय में मैंने महत्वपूर्ण निष्कर्ष प्रस्तुत किये हैं।